



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 225]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 16, 1979/कार्तिका 25, 1901

No 225]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 16, 1979/KARTIKA 25, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय	1	2	3	4
(वाणिज्य विभाग)	2	178	परिशिष्ट 26	यह प्रविष्टि निम्नलिखित अनुसार
आयात व्यापार नियंत्रण			परिविष्ट सं० 38	शुद्ध की जाएगी --
सार्वजनिक सूचना सं० 60 आईटीसी (पीएन)/79				“रेखा-चित्रा कलमों के लिए
नई दिल्ली 16 नवम्बर 1979				मजिस्ट्रेट रेगुलेशन और फिल्टर्स।”
विषय -- अग्रेल 1979—मार्च 1980 के लिए आयात-नीति				अन्त में निम्नलिखित को जाड़ा
(मिसिल संख्या-1/1/आरईपी/79—ईपीसी से जारी—वाणिज्य	3	181	परिशिष्ट 28	जाएगा --
विभाग के सार्वजनिक सूचना सं० 25-आईटीसी (पीएन)/79 दिनांक			पृ० 6	‘जा आदेश अपरिवर्तनीय साखपत्र
3 मई, 1979 के अन्तर्गत प्रकाशित अग्रेल 1979—मार्च 1980 की या				द्वारा या मुद्रणों आधार पर
समाहित आयात नीति को और ध्यान आकृष्ट किया जाता है।				नकद भुगतान द्वारा समर्थन
निम्नलिखित मशासन/शुद्धिया नीचे निदिष्ट प्रत्येक के सामने उपयुक्त				हो उनके आधार पर किए
स्थानों पर किए जाएंगे --				गए निर्यातों के मामले में
क्रम 1979-80	सदभ	मशासन		निर्यात का इन्वॉयस के लिए
सं० की नीति				सहमत होने हुए एक वचन-पत्र
पुस्तक की				देना होगा कि यदि वह निर्यात
पृष्ठ सं०				को रकम पूर्ण रूप से स्वदेश
1	2	3	4	का लौटाने में असफल रहता
1	53	परिशिष्ट 3	यह प्रविष्टि निम्नलिखित अनुसार	है या यदि निर्यात वस्तुएं
		प्रविष्टि सं० 238	पढ़ने के लिए संशोधित की	अम्बोकार कर दी जाती है या
			जाएगी --	भारत को लौटा दी जाती है
			“238 काव के मन्के/चैटन्स/	ता वह भारतीय स्टेट बैंक
			नकली होती”	द्वारा रिहा किए गए सोने की
				विक्रय कीमत और इसकी

## MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Commerce)

## IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 60-ITC (PN)/79

New Delhi, the 16th November, 1979

Subject:—Import Policy for April, 1979—March, 1980.

[Issued from File No. 1/1/REP/79-EPC].—Attention is invited to Import Policy for April, 1979—March, 1980 published under the Department of Commerce Public Notice No. 25-ITC (PN)/79, dated the 3rd May, 1979, as amended.

2. The following amendment/erratum shall be made at the appropriate places indicated against each :—

Sl. No.	Page No.	Reference	Amendment
No. of Policy	Book,		
	1979-80		
1	2	3	4
1	53	Appendix 3 Entry No. 238	This entry shall be amended to read as under :— "238. Glass beads, Chatons/false pearls."
2	178	Appendix 26 Entry No. 38	This entry shall be corrected as under :— "Synthetic fibre tips and filters for sketch pens."
3	181	Appendix 28 Para 6	The following shall be added at the end :— "In case of exports effected against such orders as are backed by either an irrevocable letter of credit or payment on cash-on-delivery basis, the exporter will have to give an undertaking in writing agreeing to refund the difference between the sale price of gold released by the State Bank of India and its prevailing 'internal' market price, if he fails to repatriate the export proceeds in full or if the articles exported are rejected or returned to India."
4	182	Appendix 28 Para 17	The existing para 17 may be substituted as follows :— "The exporter shall, within 7 clear working days after the exports have been made and without waiting for the realisation of the sale proceed in foreign exchange, submit to the same licensing authority as that which endorsed the Shipping Bill an application, in the prescribed form

प्रकाशित 'अन्तरिक ब्रान्च' कोमन के बीच के अन्तर को लौटाएगा।"

4 182 परिशिष्ट  
पैरा 17

विद्यमान पैरा 17 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

"नियमित कर लेने के बाद पूरे साल कार्य दिवस के भीतर और विशेष मूद्रा से वित्तों को रकम की वसूली की प्रतीक्षा किए बिना ही निर्यातक निम्नलिखित प्रपत्र में और निम्नलिखित तरीके से एक आवेदनपत्र उसी लाइसेंस प्राधिकारी को रिहाई आदेश जारी करने के लिए प्रस्तुत करेगा जिसने पोत परिवहन बिल पृष्ठांकित किया था और उग आवेदनपत्र के साथ सामाजिक माध्यामिक बजट, सामाजिक द्वारा प्रमाणित पोत परिवहन बिल और बैंक प्रमाणपत्र मूल रूप में सजग करेगा। रिहाई आदेश जारी करते के लिए आवेदनपत्र के साथ निर्यातक को विधिवत अपने हस्ताक्षरों के साथ यह प्रमाणित करते हुए एक घोषणा पत्र भेजना चाहिए कि इस योजना के अंतर्गत किए गए निर्यातों के प्रति विशेष मूद्रा की कोई भी वसूली पोतलक्ष्य की तिथि से 2 महीनों की अवधि के बाद से धकाया नहीं है। दस्तावेजों का मत्यापन करने के बाद यदि आवेदनपत्र सध प्रकार से सही दुआ तो लाइसेंस प्राधिकारी एक रिहाई आदेश जारी करेगा जिसमें कि निर्यातक उपर्युक्त अनुसार निर्यातित मर्चों की शुद्ध मोने की मात्रा की प्रति-पूर्ति प्राप्त कर सकेगा।"

5 182 परिशिष्ट 28  
पैरा 18

रिहाई आदेश की वैधता अवधि जो "30 दिन" उल्लिखित है वह "15 दिन" बढ़ी जाएगी।

3. ये किए गए संशोधन इस सार्वजनिक सूचना के जारी होने की तिथि से लागू होंगे।

हस्ताक्षरित/-

सी. वेक्टरसन, मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात



